कक्षा - 10 वीं, विषय - हिन्दी

आदर्शउत्तर

उत्तर क्रमांक 1 (सही विकल्प) –(1x7=7)

(i.) (ब) प्रयोगवाद

(ii.) (अ) ज्ञानी उद्धव को

(iii.) (ब) छन्द

(iv.) (स) हालदार साहब

(v.) (द) द्वन्द्व समास में

(vi.) (द) तारकेश्वरनाथ

(vii.) (ब) शहनाई वादन के लिए

उत्तर क्रमांक 2 (रिक्त स्थान) –(1x6 =7)

(i.) बालकाण्ड

(ii.) दृश्य

(iii.) चौपाई

(iv.) शहर

(v.) स्वर

(vi.) चाँदी

उत्तर क्रमांक 3 (सत्य / असत्य)- (1x7=7)

(i.) सत्य

(ii.) सत्य

(iii) सत्य

(iv.) असत्य

(v.) सत्य

(vi.) असत्य

(vii) सत्य

उत्तर क्रमांक 4 (सही जोड़ी)— (1x7=7)

(i.) भोली आत्मकथा — (ड) आत्मकथ्य

(ii) अन्य उक्ति — (छ) अन्योक्ति अलंकार

(iii) काशी में मरण — (क) मंगल

(iv.) हिन्दी की प्राध्यापिका — (ख) शीला अग्रवाल

(v) समास के भेद — (घ) छः

(vi.) पहाड़ — (ग) गंतोक

(vii). करुण रस — (च) शोक

<u>उत्तर क्रमांक 5 (एक वाक्य में उत्तर) (1x7=7)</u>

(i.) *फसल* कविता हमें उपभोक्ता संस्कृति के दौर में **कृषि संस्कृति** के निकट ले जाती है।

(ii) **"रमणीयार्थ प्रतिपादक : शब्दः काव्यं"** यह परिभाषा पंडितराज जगन्नाथ ने दी है।

(iii) नेताजी की मूर्ति पर बच्चों ने **काला चश्मा** लगा दिया था।

(iv.) 'शिवाजी शेर थे' वाक्य में **लक्षणा शब्द-शक्ति** निहित है।

(v.) मइया **चावल** अनाज को अमानिया कर रही थी।

(vi.) इसके घुमाने से पाप धुलते हैं तथा **पुण्य की प्राप्ति होती है।**

(vii) **आम के उगते पौधे को अमोला कहते हैं।**

उत्तर क्रमांक 6 **(2)**

रीतिकालीन कवि	**रचनाएँ**
(1) केशवदास	रामचन्द्रिका, रसिक प्रिया, रतन–बावनी
(2) बिहारीलाल	बिहारी सतसई

अथवा

प्रगतिवादी कवि	–	**रचनाएँ**
(1) नागार्जुन	–	युगधारा, सतरंगे पंखों वाली
(2) केदारनाथ	–	युग की गंगा, नींद के बादल

उत्तर क्रमांक 7 **(2)**

उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल–पत्र से की गई है जो पानी में रहकर भी पानी से गीला नहीं होता। उद्धव की तुलना तेल युक्त घड़े से की गई है जो कि जल में डुबाने पर भी उस पर पानी नहीं ठहर पाता है।

अथवा

लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ– लक्ष्मण राम के विपरीत हैं। वे बहुत उग्र और प्रचंड हैं। वे व्यंग्य–वचनों से परशुराम को छलनी–छलनी कर देते हैं। उनकी उग्रता और कठोर वचनों को सुनकर न केवल परशुराम भड़क उठते हैं, बल्कि अन्य सभाजन भी उनके व्यवहार को अनुचित कहने लगते हैं। लक्ष्मण तर्कशील स्वभाव वाले थे। वे अत्यंत बुद्धिमान थे, तभी तो क्रोधित परशुराम की प्रशंसा करते–करते भी व्यंग्य कर देते थे। लक्ष्मण वाक्पटु थे, परशुराम की बातों का उत्तर उन्होंने बड़ी ही चतुराई से दिया।

उत्तर क्रमांक 8 **(2)**

मानवीकरण अलंकार जहाँ जड पदार्थों और प्रकृति के अंग नदी, पर्वत, पेड़ लताएँ झरने, हवा पत्थर आदि पर मानवीय क्रियाओं का आरोप होता है या उन्हें मानवीय व्यवहार करता दिखाया जाता है। वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है। उदाहरण– "हरषाया ताल लाया पानी परात भरके"।

अथवा

रौद्र रस– "सहृदय के हृदय में स्थित 'क्रोध' नामक स्थायी भाव का जब विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से संयोग होता है, तब वहाँ रौद्र रस की निष्पत्ति होती है।

उदाहरण– श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर करतल युगल मलने लगे।

उत्तर क्रमांक 9 **(2)**

सेनानी न होते हुए भी देश–प्रेम के भाव से भरे कैप्टन चश्में वाले के मन में देश पर बलिदान होने वालों के प्रति सम्मान का भाव तथा सुभाषचन्द्र बोस के प्रति उसमें अटूट श्रद्धा थी। उसके इसी देश के प्रति फौजियों जैसे भाव के कारण उसे लोग कैप्टन कहते थे।

अथवा

भगत की पुत्रवधू जानती थी कि भगत जी संसार में अकेले हैं। उनका एकमात्र पुत्र मर चुका है, वे बूढ़े हैं और भक्त हैं, उन्हें घर–बार और संसार में कोई रुचि नहीं है। अतः वे अपने खाने–पीने और स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान नहीं दे पाएँगे। इसलिए पुत्रवधू सेवा–भाव से उनके चरणों की छाया में अपने दिन बिताना चाहती थी। वह उनके लिए भोजन और दवा का प्रबंध करना चाहती थी। इस प्रकार भगत की पुत्रवधू भगत का सहारा बनकर वहीं वैधव्य जीवन काटना चाहती थी।

उत्तर क्रमांक 10 **(2)**

लेखिका मन्नू भंडारी के पिता का मानना था कि रसोई के काम में लग जाने के कारण लड़कियों की क्षमता और प्रतिभा नष्ट हो जाती है। वे पकाने खाने तक ही सीमित रह जाती है और अपनी प्रतिभा का सही उपयोग नहीं कर पाती है। इस प्रकार प्रतिभा को भट्टी में झोंकने वाली जगह होने के कारण ही ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर सम्बोधित करते थे।

अथवा

शहनाई की दुनिया में 'डुगराँव' को दो कारणों से याद किया जाता है–

1. डुमराव प्रसिद्ध शहनाई वादक भारत रत्न संगीत रसिकों के हृदय और संगीत के नायक बिस्मिल्ला खाँ की जन्मभूमि है।

2. यहाँ सोन नदी के किनारे वह नरकट घास (बाँस जाति का प्रसिद्ध पौधा) मिलती है। जिसकी रीड का उपयोग शहनाई बजाने के लिए किया जाता है। अतः शहनाई की दुनियाँ में शहनाई और डुमराव एक–दूसरे के पूरक बन गए हैं।

उत्तर क्रमांक 11 **(2)**

समास का विग्रह एवं नाम

i रसोईघर

- **विग्रह**- रसोई का घर
- **समास का नाम**- तत्पुरुष समास

ii यथाशक्ति

- **विग्रह** - शक्ति के अनुसार
- **समास का नाम** - अव्ययीभाव समास

अथवा

मुहावरों के अर्थ एवं वाक्य प्रयोग

i खून-पसीना एक करना

- **अर्थ**- बहुत अधिक मेहनत करना
- **वाक्य**- उसने परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।

ii घी के दिए जलाना

- **अर्थ**- बहुत खुशी मनाना
- **वाक्य**- बेटे की सफलता पर घर में घी के दिए जलाए गए।

उत्तर क्रमांक 12 **(2)**

भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री से हमारे खेल और खेल सामग्रियों में कल्पना से अधिक अंतर आ गया है। भोलानाथ के समय में परिवार से लेकर दूर पड़ोस तक आत्मीय संबंध थे, जिससे खेलने की स्वच्छन्दता थी। खेल सामग्री अनुपयोगी वस्तु से बच्चे स्वयं निर्मित करते थे, जिससे किसी प्रकार की हानि की संभावना नहीं थी। आज की खेल सामग्री बाजार द्वारा निर्मित है तथा उनसे शारीरिक असुरक्षा की समस्या बनी रहती है।

अथवा

कवी लोंग स्टॉक की प्रसिद्धि का कारण है कि यहाँ पर 'गाइड' नामक प्रसिद्ध हिन्दी फिल्म की शूटिंग हुई थी। तिब्बत के चीस–खे–बम्सन ने लेपचाओं के शोमेन से कुंजतेक के साथ संधि–पत्र पर हस्ताक्षर किये थे। यहाँ स्मारक के रूप में एक

पत्थर भी है, जो लेपचा और भुटिया सिक्किम की इन दोनों स्थानीय जातियों के बीच चले सुदीर्घ झगड़ों के बाद शांति वार्ता का शुरुआती स्थल है।

उत्तर क्रमांक 13 **(2)**

लेखक अज्ञेय ने अपने आपको हिरोशिमा विस्फोट का भोक्ता तब महसूस किया, जब वह जापान में हिरोशिमा गये। वहाँ के अणु बमों द्वारा घायल रोगियों को उन्होंने अस्पताल में देखा और सड़क पर एक जले हुए पत्थर पर लम्बी उजली छाया को देखकर विस्फोट को महसूस किया।

अथवा

सफ़ेद बौद्ध पताकाएँ शांति व अहिंसा की प्रतीक हैं, इन पर मंत्र लिखे होते हैं। यदि किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए 108 श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं। कई बार किसी नए कार्य के अवसर पर रंगीन पताकाएँ फहराई जाती हैं। इसलिए ये पताकाएँ, शोक व नए कार्य के शुभारंभ की ओर संकेत करते हैं।

उत्तर क्रमांक 14 **(3)**

कवि के अनुसार फसल नदियों के पानी का जादू, मनुष्य के हाथों के स्पर्श की महिमा, भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण–धर्म, सूरज की किरणों का रूपांतरण और हवा की थिरकन का सिमटा हुआ संकोच है। अर्थात् फसल के उत्पादन में नदियों के पानी, उपजाऊ मिट्टी, मनुष्य के परिश्रम, सूर्य की किरणों और हवा का सामूहिक योगदान होता है। इस प्रकार फसल प्रकृति और मनुष्य के परस्पर सहयोग की सृजनात्मक परिणति है।

अथवा

फाल्गुन मास में प्रकृति का सौन्दर्य अपने चरम पर है। पेड़–पौधे पत्तों से लदे हैं। चारों तरफ रंग–बिरंगे फूलों की शोभा बिखरी है। भीनी–भीनी सुगन्ध सभी ओर से आ रही है। प्रकृति की सुन्दरता इतनी मनोरम है कि उससे कवि की आँख हटना नहीं चाहती है।

उत्तर क्रमांक 15 **(3)**

माधुर्य गुण– काव्य के जिस गुण विशेष के कारण सहृदय का चित्त केन्द्रित हो जाता है, उसे माधुर्य गुण कहते हैं। यह गुण शृंगार करुणा और शांत रसों में पाया जाता है। इस गुण में कोमल वर्णों का प्रयोग होता है।

उदाहरण– बतरस लालच लाल की मुरली धरि लुकाई।

अथवा

चौपाई छंद– चौपाई एक सममात्रिक छंद हैं। इसके चार चरण होते हैं इसके प्रत्येक चरण में 16–16 मात्राएँ होती है।

उदाहरण– रघुकुल रीति सदा चलि आई।
प्राण जाए पर वचन न जाइ।।

उत्तर क्रमांक 16 **(3)**

(1)आत्मकथा में लेखक अपने ही जीवन वृत्त को स्वयं लिखता है जबकि जीवनी में लेखक किसी अन्य के जीवन वृत्त को प्रस्तुत करता है।

(2)आत्मकथा में सब कुछ सत्य पर आश्रित होता है जबकि जीवनी में बहुत सी बातें अनुमानित रहती हैं।

(3)आत्मकथा किसी भी व्यक्ति के द्वारा लिखी जा सकती है जबकि जीवनी महापुरुष की लिखी जा सकती है।

अथवा

(1) कहानी जीवन के किसी एक खण्ड का चित्रण करती है।जबकि उपन्यास में जीवन के अनेक खण्डों का वर्णन होता है

(2) कहानी का कथानक संक्षिप्त होता है,जबकि उपन्यास का कथानक विस्तृत होता है ।

(3) कहानी में पात्रों की संख्या सीमित होती है जबकि उपन्यास में पात्रों की संख्या अधिक होती है।

नोट –अन्य सही अंतर लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

उत्तर क्रमांक 17 **(3)**

उचित प्रकार से आकर्षक विज्ञापन तैयार करने पर अंक प्रदान किए जाएँ

अथवा

उचित मानक भाषा शैली में सम्वाद लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ

उत्तर क्रमांक 18 **(3)**

गंतोक एक पर्वतीय स्थल है। पर्वतीय क्षेत्र होने के नाते यहाँ परिस्थितियाँ बहुत कठिन है। अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को कठिन परिश्रम करना

पड़ता है। यहाँ के लोग इस परिश्रम से घबराते नहीं और ऐसी कठिनाइयों के बीच भी मस्त और प्रसन्न रहते हैं। इसलिए गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा गया है।

अथवा

बाल सुलभ प्रकृति होती है कि वे अपनी पसंदीदा वस्तुओं और रुचिगत क्रियाकलापों की ओर शीघ्र आकर्षित हो जाते हैं। यही वजह है कि आम व्यक्ति रोते, बिलखते, सुबकते नन्हें बालकों को चुप कराने के लिए उनकी पसंद की वस्तुएँ या खेल दिखाते हैं। इसी प्रकार भोलानाथ भी अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता है।

उत्तर क्रमांक 19 (4)

सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर—

i. दो रचनाएँ

सूरदास की प्रमुख रचनाएँ हैं—

1. *सूरसागर*
2. *सूरसारावली*

ii. भावपक्ष

सूरदास के काव्य में वात्सल्य और श्रृंगार रस की प्रधानता है। उन्होंने बाल कृष्ण की लीलाओं, माता यशोदा के प्रेम तथा गोपियों के भावों को अत्यंत सजीव रूप में चित्रित किया है। उनकी भक्ति सगुण कृष्ण भक्ति पर आधारित है।

iii. कलापक्ष

सूरदास की भाषा ब्रजभाषा है, जो मधुर, सरस और प्रभावशाली है। उनके पदों में संगीतात्मकता, अनुप्रास, उपमा और रूपक जैसे अलंकारों का सुंदर प्रयोग मिलता है। उनकी शैली चित्रात्मक और भावपूर्ण है।

iv. साहित्य में स्थान

सूरदास को भक्ति काल के सगुण कृष्णभक्ति धारा के श्रेष्ठ कवि तथा वात्सल्य रस के सम्राट के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। हिंदी साहित्य में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण है।

अथवा

तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर—

i. दो रचनाएँ

1. *रामचरितमानस*
2. *विनय पत्रिका*

ii. भावपक्ष
तुलसीदास के काव्य में भक्ति भावना प्रमुख है। उनके काव्य में रामभक्ति, लोकमंगल, करुणा, आदर्श जीवन-मूल्य तथा मानवता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके पात्र नैतिक आदर्शों का प्रतीक हैं।

iii. कलापक्ष
तुलसीदास की भाषा सरल, सरस और भावपूर्ण है। उन्होंने अवधी और ब्रज भाषा का सुंदर प्रयोग किया है। छंद, अलंकार और संगीतात्मकता उनके काव्य को प्रभावशाली बनाते हैं।

iv. साहित्य में स्थान
तुलसीदास को भक्ति काल के श्रेष्ठ कवि और रामभक्ति परंपरा का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। हिंदी साहित्य में उनका स्थान अत्यंत ऊँचा और सम्माननीय है।

उत्तर क्रमांक 20 **(4)**

रामवृक्ष बेनीपुरी की साहित्यिक विशेषताएँ

i. दो रचनाएँ

i माटी की मूरतें

ii युवराज चूड़ामणि

ii. भाषा
उनकी भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण और ओजस्वी है। उन्होंने खड़ी बोली हिंदी का प्रभावशाली प्रयोग किया तथा लोकभाषा के शब्दों से भाषा को सजीव बनाया।

iii. शैली
रामवृक्ष बेनीपुरी की शैली भावात्मक, वर्णनात्मक और विचारप्रधान है। उनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और यथार्थ का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

iv. साहित्य में स्थान
रामवृक्ष बेनीपुरी को हिंदी साहित्य में प्रगतिशील चेतना के प्रमुख साहित्यकार के रूप में जाना जाता है। उन्हें आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है।

अथवा

स्वयं प्रकाश की साहित्यिक विशेषताएँ

i. दो रचनाएँ

1. नौकर की कमीज (उपन्यास)
2. एक रात का भूला (कहानी संग्रह)

ii. भाषा
उनकी भाषा सरल, सहज और बोलचाल की हिंदी है। उन्होंने आम जनजीवन की भाषा का यथार्थ रूप में प्रयोग किया है।

iii. शैली
स्वयं प्रकाश की शैली यथार्थवादी और व्यंग्यात्मक है। उनकी रचनाओं में सामाजिक विसंगतियों, मध्यवर्गीय जीवन और व्यवस्था की विडंबनाओं का सशक्त चित्रण मिलता है।

iv. साहित्य में स्थान
स्वयं प्रकाश को हिंदी की नई कहानी और समकालीन कथा साहित्य का महत्वपूर्ण लेखक माना जाता है। सामाजिक यथार्थ के सशक्त प्रस्तोता के रूप में उनका विशेष स्थान है।

<u>उत्तर क्रमांक 21 पद्यांश की व्याख्या (4)</u>

सन्दर्भ – पाठ का नाम –उत्साह

,कवि – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1 अंक)
प्रसंग – कवि यहाँ बादलों को संबोधित करते हुए उन्हें सामाजिक जड़ता, अन्याय और निराशा के विरुद्ध गर्जना करने के लिए प्रेरित करता है। *(1 अंक)*

भावार्थ – उचित भाषा शैली में सही भावार्थ लिखने पर अंक प्रदान करें (2 अंक)

अथवा

सन्दर्भ – पाठ का नाम – संगतकार ,कवि – मंगलेश डबराल (1 अंक)

प्रसंग –संगतकार के बारे में वर्णन (1 अंक)

भावार्थ – उचित भाषा शैली में सही भावार्थ लिखने पर अंक प्रदान करें (2 अंक)

<u>उत्तर क्रमांक 22 गद्यांश की व्याख्या (4)</u>

सन्दर्भ – पाठ का नाम – लखनवी अंदाज ,लेखक का नाम –यशपाल (1 अंक)

प्रसंग – नबाब साहब के बारे में वर्णन (1 अंक)

व्याख्या – उचित भाषा शैली में सही व्याख्या लिखने पर अंक प्रदान करें। (2 अंक)

अथवा

सन्दर्भ – पाठ का नाम – संस्कृति, लेखक – भदंत आनंद कौसल्यायन (1 अंक)

प्रसंग – एक संस्कृत व्यक्ति की विशेषताएँ बताई गईं हैं। (1 अंक)

व्याख्या – उचित भाषा शैली में सही व्याख्या लिखने पर अंक प्रदान करें। (2 अंक)

<u>उत्तर क्रमांक</u> 23. (4)

अपठित काव्यांश

i. अंबर सुखों की चादर बना है। (1 अंक)

ii श्याम सलौना दूध-दही पीकर मुस्कुराता है। (1 अंक)

iii काव्यांश का उचित सार लिखने पर स्वविवेक से अंक प्रदान किए जाएँ। (2 अंक)

अथवा

अपठित गद्यांश

i. समाज में सच्चे मित्रों को पहचानना कठिन है। (1 अंक)

ii सच्चे मित्र की पहचान तब होती है जब हम किसी विपत्ति में होते हैं। (1 अंक)

iii उचित सारांश लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ। (2 अंक)

<u>उत्तर क्रमांक</u> 24. (5)

औपचारिक पत्र

सम्बोधन - 1 अंक

विषय - 1 अंक

विवरण - 2 अंक

समापन - 1 अंक

अथवा

अनौपचारिक पत्र

सम्बोधन - 1 अंक

मध्य भाग अथवा विवरण - 3 अंक

समापन -1 अंक

उत्तर क्रमांक 25 (अ) रूपरेखा सहित निबन्ध (7)

रूपरेखा - 2 अंक

प्रस्तावना -1 अंक

मध्य भाग -3 अंक

उपसंहार /समापन -1 अंक

(ब) दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर उचित प्रकार से बिन्दुवार रूपरेखा लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ। (3)